Paper - I

MT

Seat No. | | | | | | | |

2018 1100

MT - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - I - PAPER - I

Time : 3 Hours **(Pages 10)** **Max. Marks : 100**

सूचनाएँ :- **(1)** सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।
(3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 - गद्य

24 अंक

प्र.1. (क) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (8)

प्रश्न उठता है कि संपत्तिरूपी ये सब चीजें बनती कैसे हैं? सृष्टि में जो नानाविध द्रव्य तथा प्राकृतिक साधन हैं, उनको लेकर मनुष्य शरीर श्रम करता है, तब यह काम की चीजें बनती हैं। अत: संपत्ति के मुख्य साधन दो हैं: सृष्टि के द्रव्य और मनुष्य का शरीर श्रम। यंत्र से कुछ चीजें बनती दिखती हैं पर वे यंत्र भी शरीर श्रम से बनते हैं और उनको चलाने में भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष शरीर श्रम की आवश्यकता होती है। केवल बौद्धिक श्रम से कोई उपयोग की चीज नहीं बन सकती अर्थात बिना शरीर श्रम के संपत्ति का निर्माण नहीं हो सकता।

संपत्ति के स्वामित्व में शरीर श्रम करने वालों का स्थान क्या है? जो प्रत्यक्ष शरीर श्रम के काम करते हैं उन्हें तो गरीबी या कष्ट में ही अपना जीवन बिताना पड़ता है और उन्हीं के द्वारा उत्पादित संपत्ति दूसरे थोड़े से हाथों में ही इकट्ठी होती रहती है। श्रमजीवियों की बनाई हुई चीजें व्यापारियों या दूसरों के हाथों में जाकर उनके लेन-देन से कुछ लोग मालदार बन जाते हैं। वर्ष भर मेहनत कर किसान अन्न पैदा करता है लेकिन बहुत दफा तो उसकी खुद की आवश्यकताएँ भी पूरी नहीं होतीं पर वही अनाज व्यापारियों के पास जाकर उनको धनवान बनाता है। संपत्ति बनाते हैं मजदूर और धन इकट्ठा होता है उनके पास जो केवल व्यवस्था करते हैं, मजदूरी नहीं करते।

(1) समझकर लिखिए। **2**

(i) संपत्ति के दो मुख्य साधन -
(ii) श्रम के दो प्रकार -
(iii) इनसे भरी पड़ी है सृष्टि -
(iv) इसके बिना संपत्ति का निर्माण नहीं हो सकता -

(2) वाक्य पूर्ण कीजिए। **2**

(i) उनके पास धन इकट्ठा होता है -

(ii) आज वही गरीबी या कष्ट में अपना जीवन बिताते हैं -

(3) सारिणी पूर्ण कीजिए। **2**

गद्यांश में प्रयुक्त 'इक' प्रत्यय वाले दो शब्द	निम्न शब्दों को उचित प्रत्यय लगाइए।
(i)	(i) शरीर : .....
(ii)	(ii) श्रम : .....

(4) 'शारीरिक व बौद्धिक श्रम व्यक्ति-विकास के लिए आवश्यक होता है।' कथन के संदर्भ में अपने विचार लिखिए। **2**

प्र.1. (ख) गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **(8)**

एक दिन तुम्हारे बाबू जी ने दुनिया की मुसीबतों और मनुष्य की मजबूरियों को समझाते हुए जब हमसे गहनों की माँग की तो क्षण भर के लिए हमें कुछ वैसा लगा और गहना देने में तनिक हिचकिचाहट महसूस हुई पर यह सोचा कि उनकी प्रसन्नता में हमारी खुशी है, हमने गहने दे दिए। केवल टीका, नथुनी, बिछिया रख लिए थे। वे हमारे सुहागवाले गहने थे। उस दिन तो उन्होंने कुछ नहीं कहा, पर दूसरे दिन वे अपनी पीड़ा न रोक सके। कहने लगे- "तुम जब मिरजापुर जाओगी और लोग गहनों के संबंध में पूछेंगे तो क्या कहोगी ?"

हम मुसकराईं और कहा- "उसके लिए आप चिंता न करें। हमने बहाना सोच लिया है। हम कह देंगी कि गांधीजी के कहने के अनुसार हमने गहने पहनने छोड़ दिए है। इसपर कोई भी शंका नहीं करेगा।" तुम्हारे बाबू जी तनिक देर चुप रहे, फिर बोले- "तुम्हें यहाँ बहुत तकलीफ है, इसे मैं अच्छी तरह समझता हूँ। तुम्हारा विवाह बहुत अच्छे, सुखी परिवार में हो सकता था, लेकिन अब जैसा है वैसा है। तुम्हें आराम देना तो दूर रहा, तुम्हारे बदन के भी सारे गहने उतरवा लिए।"

हम बोलीं- "पर जो असल गहना है वह तो है। हमें बस वही चाहिए। आप उन गहनों की चिंता न करें। समय आ जाने पर फिर बन जाएँगे। सदा ऐसे ही दिन थोड़े ही रहेंगे। दुख-सुख तो सदा ही लगा रहता है।"

(1) (i) कृति पूर्ण कीजिए। **1**

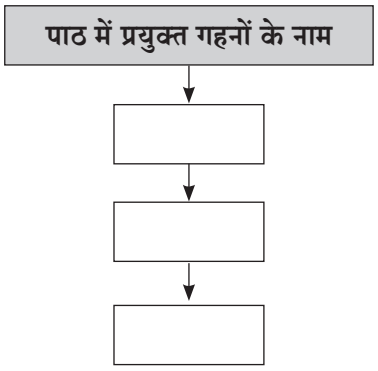

(ii) **परिणाम लिखिए।** **1**

जब मिरजापुर जाओगी और लोग गहनों के संबंध में पूछेंगे तो -

(2) (i) **उपर्युक्त गद्यांश से ऐसे दो प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों -** **1**

(1) गहनों (2) सुहाग

(ii) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) शास्त्री जी के मन की पीड़ा -

(2) शास्त्री जी की पत्नी का असल गहना

(3) (i) **निम्नलिखित शब्दों के कृदंत रूप लिखिए।** **1**

(1) हिचकिचाहट (2) मुस्कुराई

(i) **वचन बदलिए।** **1**

(1) नथुनी - ..... (2) बिछिया - .....

(4) **'सच्चा साहस व सच्ची बहादुरी लोगों की रक्षा और उनकी सहायता करने में है?' अपने विचार लिखिए।** **2**

प्र.1. (ग) अपठित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

हर किसी को आत्मरक्षा करनी होगी, हर किसी को अपना कर्तव्य करना होगा। मैं किसी की सहायता की प्रत्याशा नहीं करता। मैं किसी का भी प्रत्याह नहीं करता । इस दुनिया से मदद की प्रार्थना करने का मुझे कोई अधिकार नहीं है। अतीत में जिन लोगों ने मेरी मदद की है या भविष्य में भी जो लोग मेरी मदद करेंगे, मेरे प्रति उन सबकी करुणा मौजूद है, इसका दावा कभी नहीं किया जा सकता । इसीलिए मैं सभी लोगों के प्रति चिर कृतज्ञ हूँ । तुम्हारी परिस्थिति इतनी बुरी देखकर मैं बेहद चिंतित हूँ । लेकिन यह जान लो कि- 'तुमसे भी ज्यादा दुखी लोग इस संसार में हैं। मैं तुमसे भी ज्यादा बुरी परिस्थिति में हूँ। इंग्लैंड में सब कुछ के लिए मुझे अपनी ही जेब से खर्च करना पड़ता है। आमदनी कुछ भी नहीं है। लंदन में एक कमरे का किराया हर सप्ताह के लिए तीन पाउंड होता है। ऊपर से अन्य कई खर्च हैं। अपनी तकलीफों के लिए मैं किससे शिकायत करुँ ? यह मेरा अपना कर्मफल है, मुझे ही भुगतना होगा ।

(विवेकानंद की आत्मकथा से)

(1) कृति पूर्ण कीजिए। **2**

(i)

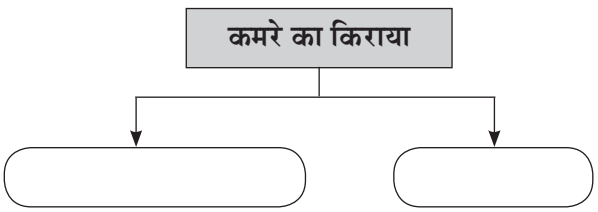

(ii)

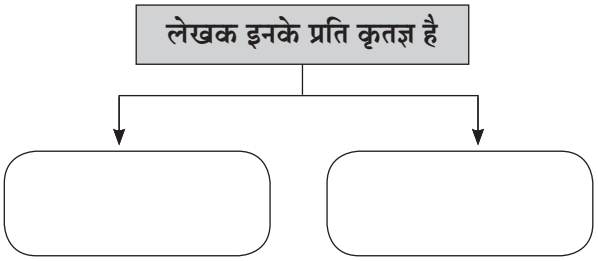

(2) उत्तर लिखिए। **2**

(i) परिच्छेद में उल्लेखित देश : .....

(ii) हर किसी को करना होगा : .....

(iii) लेखक की तकलीफें : .....

(iv) हर किसी को करनी होगी : .....

(3) लिंग पहचानकर लिखिए। **2**

(i) जेब - ..... (iii) साहित्य - .....

(ii) दावा - ..... (iv) सेवा - .....

(4) 'कृतज्ञता' के संबंध में अपने विचार लिखिए। **2**

विभाग 2 - पद्य

18 अंक

प्र.2. (च) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(6)**

चौपाई - घन घमंड नभ गरजत घोरा। प्रिया हीन डरपत मन मोरा।।
दामिनि दमक रहहिं घन माहीं। खल कै प्रीति जथा थिर नाहीं।।
बरषहिं जलद भूमि निअराएँ। जथा नवहिं बुध विद्या पाएँ।।
बूँद अघात सहहिं गिरि कैसे। खल के बचन संत सह जैसे।।
छुद्र नदी भरि चली तोराई। जस थोरेहुँ धन खल इतराई।।
भूमि परत भा ढाबर पानी। जनु जीवहिं माया लपटानी।।
समिटि-समिटि जल भरहिं तलावा। जिमि सद्गुन सज्जन पहिं आवा।।
सरिता जल जलनिधि महुँ जाई। होई अचल जिमि जिव हरि पाई।।

(1) (i) आकृति पूर्ण कीजिए। **2**

(1)

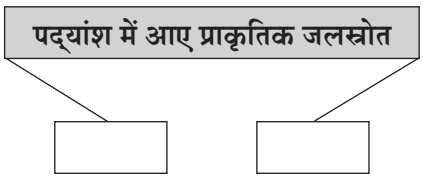

(2)

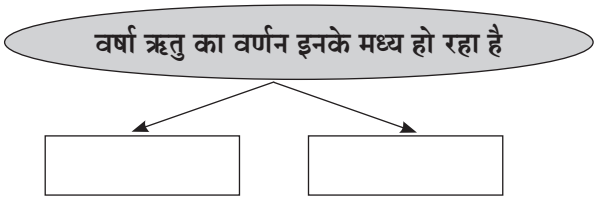

(ii) निम्नलिखित अर्थ को स्पष्ट करने वाली पंक्तियाँ लिखिए। **1**

(1) संतों की सहनशीलता .....

(2) दृष्ट व्यक्ति की प्रीति भी स्थिर नहीं रहती .....

(2) ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए कि जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों - **1**

(i) नदियों (ii) सद्‌गुण

(3) निम्नलिखित पद्यांश का भावार्थ लिखिए। **2**

चौपाई - घन घमंड नभ गरजत घोरा। प्रिया हीन डरपत मन मोरा।।

दामिनि दमक रहहिं घन माहीं। खल कै प्रीति जथा थिर नाहीं।।

प्र.2. (छ) निम्न मुद्दों के आधार पर निम्न कविता का पद्य विश्लेषण कीजिए: **6**

(i) **अपनी गंध नही बेचूँगा** **अथवा** (ii) **कृषक गान**

(1) रचनाकार का नाम (2) रचना का प्रकार (3) पसंदीदा पंक्ति

(4) पसंदीदा होने का कारण (5) कविता से प्राप्त संदेश/प्रेरणा

प्र.2. (ज) अपठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(6)**

तेरो लाल मेरो माखन खायो।
दुपहर दिवस जानि घर सूनो ढूंढ़ि ढढ़ोरि आप ही आयो।।
खोल किवार सूने मंदिर में दूध दही सब सखन खवायो।
सींके काढ़ि खाट चढ़ि मोहन कछु खायो कछु लै ढरकायो।
दिन प्रति हानि होत गोरस की यह ढोटा कौने ढंग जायो।
'सूरदास' कहती ब्रजनारी पूत अनोखो जायो।।

(1) (i) आकृति पूर्ण कीजिए। **1**

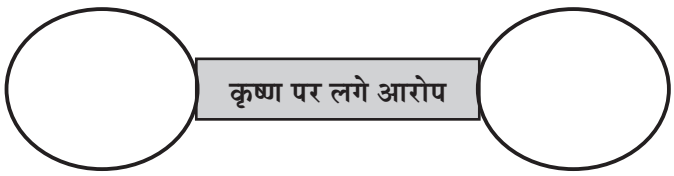

(ii) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

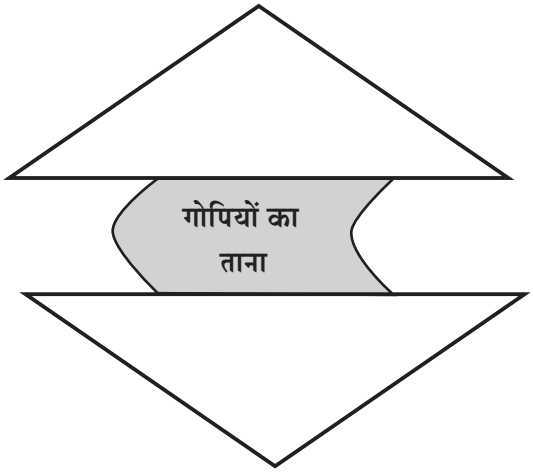

(2) (i) पद में आए हुए खाद्य पदार्थों के नाम लिखिए। ½

(ii) पद्यांश पर आधारित दो प्रश्न तैयार कीजिए। ½

(3) (i) **मानक हिंदी भाषानुसार कविता में प्रयुक्त क्रियाओं का अर्थ लिखिए।** **1**

(1) खवायो (2) जायो

(4) **निम्नलिखित पठित पद्यांश का भावार्थ लिखिए।** **2**

"दिन प्रति हानि होत गोरस की
यह ढोटा कौने ढंग जायो।"

विभाग 3 - पूरक पठन

8 अंक

प्र.3. (अ) गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **(4)**

साक्षात्कार के लिए उपस्थित प्रतिनिधि मंडल में से एक अधिकारी ने पूछा- "भ्रष्टाचार के बारे में आपकी क्या राय है?"

"भ्रष्टाचार एक ऐसा कीड़ा है जो देश को घुन की तरह खा रहा है। इसने सारी सामाजिक व्यवस्था को चिंताजनक स्थिति में पहुँचा दिया है। सच कहा जाए तो यह देश के लिए कलंक है...।"

अधिकारियों के चेहरे पर हलकी-सी मुस्कान और उत्सुकता छा गई। उसके तर्क में उन्हें रूचि महसूस होने लगी। दूसरे अधिकारी ने प्रश्न किया- "रिश्वत को आप क्या मानते हैं?"

"यह भ्रष्टाचार की बहन है। जैसे विशेष अवसरों पर हम अपने प्रियजनों, परिचितों, मित्रों को उपहार देते हैं। इसका स्वरूप भी कुछ-कुछ वैसा ही है लेकिन उपहार देकर हम केवल खुशियों या कर्तव्यों का आदान-प्रदान करते हैं। इससे अधिक कुछ नहीं जबकि रिश्वत देने से रुके हुए कार्य, दबी हुई फाइलें, टलती हुई पदोन्नति, रोकी गई नौकरी आदि में इसके कारण सफलता हासिल की जा सकती है। तब भी यह समाज के माथे पर कलंक है, इसका समर्थन कतई नहीं किया जा सकता, ऐसी मेरी धारणा है।'' कहकर वह तेजी से बाहर निकल आया। जानता था कि यहाँ भी चयन नहीं होगा।

पर भीतर बैठे अधिकारियों ने... गंभीरता से विचार-विमर्श करने के बाद युवक के सही उत्तर की दाद देते हुए उसका चयन कर लिया। आज वह समझा कि 'सत्य कुछ समय के लिए निराश हो सकता है, परास्त नहीं।'

(1) (i) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

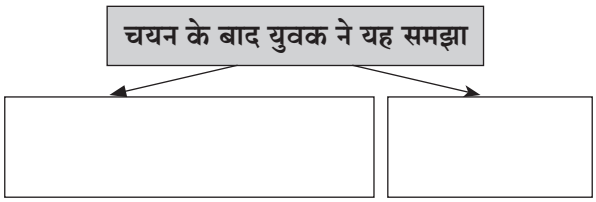

(ii) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

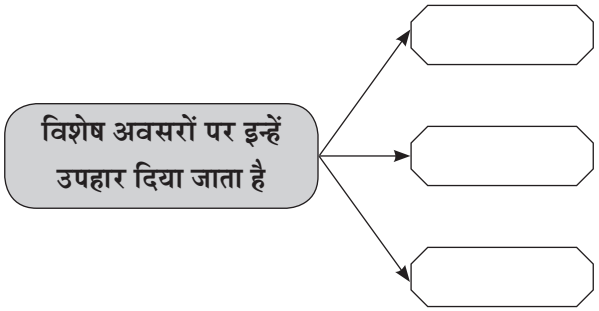

(2) **'सही उत्तर' शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।** **2**

प्र.3 . (आ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(4)**

हम उस धरती के लड़के हैं, जिस धरती की बातें
क्या कहिए; अजी क्या कहिए; हाँ क्या कहिए।
यह वह मिट्टी, जिस मिट्टी में खेले थे यहाँ ध्रुव-से बच्चे।
यह मिट्टी, हुए प्रहलाद जहाँ, जो अपनी लगन के थे सच्चे।
शेरों के जबड़े खुलवाकर, थे जहाँ भरत दतुली गिनते,
जयमल-पत्ता अपने आगे, थे नहीं किसी को कुछ गिनते!
इस कारण हम तुमसे बढ़कर, हम सबके आगे चुप रहिए।
अजी चुप रहिए, हाँ चुप रहिए। हम उस धरती के लड़के हैं...

(1) (i) **वर्गीकरण कीजिए।** **1**

(ध्रुव, प्रह्लाद, भरत, जयमल)

(ii) **विशेषताओं के आधार पर पहचानिए।** **1**

(1) अपनी लगन का सच्चा -

(2) किसी को कुछ न गिनने वाला -

(2) **'जिद, लगन, मेहनत का फल सफलता है' इस पर अपने विचार लिखिए।** **2**

विभाग 4 - व्याकरण

18 अंक

प्र.4. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

(1) (i) निम्नलिखित वाक्य में आए हुए संज्ञा शब्दों को रेखांकित करके उनके भेद लिखिए। 1

इस कहानी में भारतीय समाज का चित्रण मिलता है।

(ii) निम्नलिखित वाक्य के रिक्त स्थानों में उचित सर्वनाम का प्रयोग कीजिए। 1

काम करने के लिए कहा है, ... करो।

(2) (i) निम्नलिखित वाक्य में से अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए। 1

वह भारी कदमों से आगे बढ़ने लगा।

(ii) निम्नलिखित अव्यय शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए। 1

वाह!

(3) कालपरिवर्तन कीजिए। 2

(i) सरकार एक ही टैक्स लगाती है। (सामान्य भविष्यकाल)

(ii) आप इतनी देर से नाप-तौल करते हैं। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

(4) तालिका पूर्ण लिखिए । 2

संधि	संधि-विच्छेद	भेद
दिग्दर्शक	..... + ...	.....
.....	महा + आत्मा	.....

(5) (i) अर्थ के आधार पर निम्न वाक्यों के भेद पहचानिए। 1

ओह! कंबख्त ने कितनी बेदर्दी से पीटा है।

(ii) सूचना के अनुसार निम्न वाक्य का प्रकार बदलिए 1

मानू इतना ही बोल सकी। (प्रश्नार्थक वाक्य)

(6) (i) मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए। 1

फूट-फूटकर रोना

(ii) निम्नलिखित वाक्य में अधोरेखांकित शब्द समूह के लिए कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए। 1

(इज्जत उतारना, हाथ फेरना, काँप उठना, तिलमिला जाना, दुम हिलाना, बोलबाला होना)

क्या आपने मुझे अपमानित करने के लिए यहाँ बुलाया था ?

(7) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके फिर से लिखिए। 2

(i) सामने शेर देखकर यात्री का प्राण मानो मुरझा गया।

(ii) मैं मेरे देश को प्रेम करता हूँ।

(8) **निम्नलिखित वाक्य में से मुख्य क्रिया और सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए।** **1**
उन्हें अँधेरी कोठरी में धम से पटक दिया।

(9) **निम्नलिखित क्रियाओं के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए।** **1**

अ.क्र	क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक	द्वितीय प्रेरणार्थक
(i)	फैलना		
(ii)	बैठना		

(10) **निम्नलिखित वाक्य में उचित विरामचिह्नों का प्रयोग कर वाक्य पुन: लिखिए।** **1**
जल्दी जल्दी पैर बढ़ा

(11) **निम्नलिखित वाक्य के रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित कारक चिह्नों से कीजिए और कारक का नाम लिखिए।** **1**
बुद्धिराम स्वभाव ..... सज्जन थे।

विभाग 5 - रचना विभाग

32 अंक

प्र.5. सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है :

(1) **निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए।** **5**
विजय/विजया मोहिते वरदा सोसायटी, विजयनगर, जालना से व्यवस्थापक, औषधि भंडार, नागपुर को पत्र लिखकर आयुर्वेदिक औषधियों की माँग करता/करती है।

अथवा

वक्तृत्व-प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने के उपलक्ष्य में आपके मित्र या सहेली ने आपको बधाई पत्र भेजा है, उसे धन्यवाद देते हुए निम्न प्रारूप में पत्र लिखिए।

दिनांक: .....

संबोधन: .....

अभिवादन: .....

प्रारंभ:

विषय विवेचन:

.....

.....

.....

.....

.....

तुम्हारा/तुम्हारी,

.....

नाम: .....

पता: .....

ई-मेल आईडी: .....

(2) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पाँच ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक वाक्य में हो। **5**

श्री. सी. वी. रामन ने छात्रावस्था में ही विज्ञान के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का सिक्का देश में ही नहीं विदेशों में भी जमा लिया था। बात यह थी कि रमन का एक साथी छात्र ध्वनि के संबंध में कुछ प्रयोग कर रहा था। उसे कुछ कठिनाइयाँ प्रतीत हुईं, संदेह हुए। वह अपने अध्यापक जोन्स साहब के पास गया। परंतु वह भी उसका संदेह निवारण न कर सके। रामन को पता चला तो उन्होंने उसे समस्या का अध्ययन-मनन किया और इस संबंध में उस समय के प्रसिद्ध लार्ड रेले के निबंध पढ़े और उस समस्या का एक नया ही हल खोज निकाला। यह हल पहले हल से सरल और अच्छा था। लार्ड रेले को इस बात का पता चला तो उन्होंने रामन की प्रतिभा की भूरि-भूरि प्रशंसा की। अध्यापक जोन्स भी प्रसन्न हुए और उन्होंने रामन से इस प्रयोग के संबंध में लेख लिखने को कहा। रामन ने लेख लिखकर श्री जोन्स को दिया, पर जोन्स उसे जल्दी लौटा न सके। कारण संभवत: यह था कि वह उसे पूरी तरह आत्मसात न कर सके।

प्र.6. (1) वृत्तांत लेखन । (लगभग ६० से ८० शब्दों में) **5**

अपने विद्यालय में मनाए गए किसी समारोह का वृत्तांत लेखन कीजिए।

(2) निम्न मुद्दों के आधार पर ५० से ६० शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए। **5**

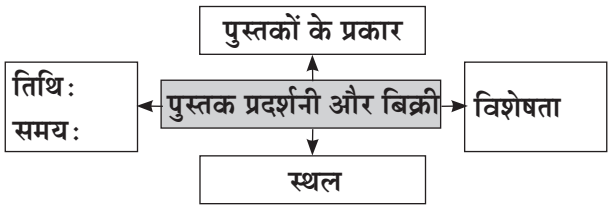

(3) निम्न शब्दों के आधार पर ८० से १०० शब्दों में कहानी लेखन कीजिए। **5**

(मिट्टी, चाँद, खरगोश, कागज)

(4) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर ८० से १०० शब्दों में निबंध लिखिए । **7**

(i) किसी पालतू प्राणी की आत्मकथा लिखिए।

(ii) 'यदि मेरा घर अंतरिक्ष में होता'

Best Of Luck